साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 91 | जौनपुर, गुरूवार, 21 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

नियोजित अध्यापक 'विशिष्ट शिक्षक' बनने के बाद भी अपने वर्तमान तैनाती स्थल पर बने रहेंगे – सीएम नीतीश

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सरकारी स्कूलों में कार्यरत वे शिक्षक अपनी वर्तमान तैनाती स्थल पर बने रहेंगे जिनकी सेवाएं हाल ही में नियमित की गई हैं। मुख्यमंत्री के इस आश्वासन से 2.5 लाख से अधिक नियोजित शिक्षकों (पंचायत शिक्षक–जिन्हें वैकल्पिक रूप से नियोजित शिक्षक भी कहा जाता है) को राहत मिली है जो दक्षता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अब विशिष्ट शिक्षक बन गए हैं। मुख्यमंत्री ने ये टिप्पणी राज्य शिक्षा विभाग द्वारा अपनी स्थानांतरण नीति को स्थगित किये जाने के एक दिन बाद की। इस नीति से प्रभावित कई शिक्षकों ने पटना उच्च न्यायालय का रुख किया था। पटना में दक्षता परीक्षा पास करने वाले शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, नियोजित शिक्षक अपने नये पदस्थापन को लेकर परेशान हैं, इसलिए हमारी सरकार ने निर्णय लिया है कि जो नियोजित शिक्षक जिस जगह पर काम कर रहे हैं, वे 'विशिष्ट शिक्षक' बनने के बाद भी उसी स्थान पर काम करते रहेंगे और इनके नये पदस्थान पर बाद में निर्णय लिया जायेगा। राज्य के कई जिलों में दक्षता परीक्षा पास करने वाले 1.14 लाख विशिष्ट शिक्षकों को सरकार ने बुधवार कोनियुक्ति पत्र वितरित किए। नियुक्ति पत्र हासिल करने वाले शिक्षकों में 98,349 प्राथमिक शिक्षक, 12,524 माध्यमिक शिक्षक और 3,265 उच्चतर माध्यमिक शिक्षक शामिल हैं। मुख्यमंत्री की घोषणा पर टिप्पणी करते हुए टीईटी प्राथमिक शिक्षक संघ के संयोजक राजू सिंह ने बात करते हुए कहा, "मुख्यमंत्री द्वारा लिया गया यह एक बेहतर फैसला है३यह निर्णय 'विशिष्ट शिक्षकों' के हित में है। हम इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री और शिक्षा विभाग को धन्यवाद देते हैं।

अरविंद केजरीवाल ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है, जिसने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को उत्पाद शुल्क नीति मामले में उनके खिलाफ आरोप दायर करने की अनुमति दी थी। ट्रायल कोर्ट ने पहले ईडी को केजरीवाल और अन्य पर उत्पाद शुल्क नीति के कार्यान्वयन से जुड़े एक कथित घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाते हुए आरोप पत्र दाखिल करने की अनुमति दी थी। केजरीवाल की कानूनी टीम का तर्क है कि आरोप राजनीति से प्रेरित हैं और उनका उद्देश्य ईडी की कार्रवाई के संबंध में अदालत से राहत मांगना है। इस मामले पर जल्द सुनवाई होने की उम्मीद है। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक ने इस आधार पर ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय से निर्देश मांगा कि विशेष न्यायाधीश ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए किसी मंजूरी के अभाव में आरोपपत्र पर संज्ञान लिया था। अपराध कथित तौर पर किया गया था। 12 नवंबर को उच्च न्यायालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एजेंसी की शिकायत पर उन्हें जारी किए गए समन को चुनौती देने वाली केजरीवाल की एक अन्य याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय से जवाब मांगा था।

चीन के रक्षा मंत्री संग द्विपक्षीय मुलाकात करेंगे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक 20 से 22 नवंबर तक लाओस में आयोजित की जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस (एडीएमएम–प्लस) में शामिल होंगे। इसके लिए वह बुधवार से वियनतियाने, लाओ पीडीआर की आधिकारिक यात्रा पर हैं। यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व चीन के रक्षा मंत्री के बीच आज एक महत्वपूर्ण मुलाकात होनी है। गौरतलब है कि यह मुलाकात कई मायनों में बेहद खास है। पिछले दिनों ही चीन के साथ बातचीत की एक लंबी श्रृंखला के उपरांत चीन से सटी एलएसी पर सेना का डिसएंगेजमेंट देखा गया है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक

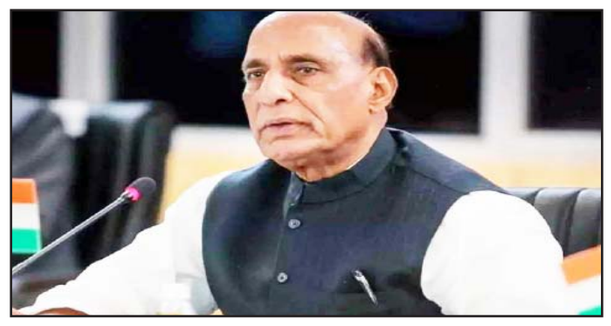

सफल वार्ताओं का यह दौर अब आगे भी जारी रह सकता है। माना जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान एलएसी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। इस लिहाज से भारत और चीन के रक्षा मंत्रियों के बीच होने वाली यह बैठक कई मायनों में खास है। इसके अलावा यहां राजनाथ सिंह व अमेरिकी रक्षा मंत्री के बीच भी मुलाकात होनी है। चीन और अमेरिका के रक्षा मंत्रियों के साथ होने वाली यह मुलाकातें एक द्विपक्षीय बैठक होंगी। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 11वीं एडीएमएम–प्लस बैठक के दौरान राजनाथ सिंह चीन और अमेरिका के रक्षा मंत्रियों समेत आसियान से जुड़े कई अन्य देशों के रक्षा मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। ऑस्ट्रेलिया, जापान, लाओ पीडीआर, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस और कोरिया के रक्षा मंत्रियों के साथ भी भारतीय रक्षा मंत्री की द्विपक्षीय बैठक होनी है।

वैश्विक स्तर पर भारत लगातार विभिन्न देशों के साथ मजबूत रक्षा सहयोग स्थापित कर रहा है। राजनाथ सिंह 22 नवंबर तक आसियान रक्षा मंत्रियों की इस बैठक में रहेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस अंतरराष्ट्रीय बैठक के दौरान क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर मंच को संबोधित करेंगे।

अयोध्या दुनिया की सबसे सुंदर नगरी बनने की राह पर अग्रसर - सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में विधानसभा की नौ सीटों पर उप चुनाव के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ बुधवार को अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सुग्रीव किला में श्रीराजगोपुरम द्वार का अनावरण किया। यहां आयोजित संत सम्मेलन में अयोध्यावासियों को एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि पूरा समाज एक भाव और एक साथ लड़ाई लड़ता है, तब सफलता मिलती है। देखिए, एक भाव की सरकार केंद्र और राज्य में आई तो जो 500 साल में नहीं हुआ, वह 2 साल में हो गया। 500 साल पहले भी ऐसी ही एकता का परिचय दिया होता तो गुलामी का मुंह न देखना पड़ता। सीएम ने कहा कि चंद मुट्ठी भर लोग, उनके पास बुद्धि, धन और भौतिक बल नहीं था। तब भी वह हम पर हमला करने में सफल हुए। हमें गुलाम बनाने में सफल हुए। अपमान झेलने को हम मजबूर हो गए। धर्म हमें सद्मार्ग पर चलने के लिए कहता है। मगर समाज को सही दिशा में लेकर जाने की हमारी जिम्मेदारी है। इसीलिए मैं कहता हूं कि इतिहास की गलती रोकने के लिए हमें ही प्रयास करना है। सनातन का संकल्प था, 500 वर्षों में ढांचा समाप्त हो, रामलला का मंदिर बन सके। पूज्य संतों का जो भाव था, एक काज के लिए सबने खुद को समर्पित किया। उन्होंने कहा– यह अहो भाग्य है, जिस कार्य के लिए पीढ़ियां समर्पित हुई, उसे हम अपने सामने होता हुआ देख रहे हैं। आज की अयोध्या में सिर्फ अध्यात्म का वातावरण

है। यह दुनिया सबसे सुंदर नगरी बनने की राह पर है। यह जो भव्य स्वरूप दिख रहा है। अयोध्या वासियों का दायित्व है कि वह अयोध्या का ऐसा ही स्वरूप बनाए रखें।

दुनिया हमें कमजोर नहीं कर सकती

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी स्मृतियां हमें समाज को सही दिशा में आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती हैं। जब भी हम एकता का परिचय देंगे, तो दुनिया की कोई ताकत हमें कमजोर नहीं कर सकेगी। मुख्यमंत्री ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण को पीढ़ियों के संघर्ष का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि 500 साल का लंबा इंतजार समाप्त हुआ है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रामलला को उनके भव्य मंदिर में विराजमान करने का सपना पूरा हुआ है। उन्होंने सनातन धर्मावलंबियों की एकता को इस सफलता का आधार बताया। संचालन जगद्गुरु हरि नारायणाचार्य ने किया। सुग्रीव किला पीठाधीश्वर विश्वेश प्रपन्नाचार्य ने सीएम योगी आदित्यनाथ का अभिनंदन किया। अध्यक्षता जगद्गुरु परमहंस श्रीरंगम ने की। सम्मेलन में जगद्गुरु रामदिनेशाचार्य, जगद्गुरु अनंताचार्य, जगद्गुरु परमहंसाचार्य, महंत धर्मदास, महंत विवेक आचारी, महंत रामलखन दास, महंत रामकुमार दास, महंत जयरामदास, ज्ञानी गुरुजीत सिंह, महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, विधायक वेदप्रकाश गुप्ता, विधायक रामचंद्र यादव, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, पुजारी रमेश दास सहित अन्य मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में धर्म और समाज को कमजोर करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा कि कोई भी समस्या जो समाज और राष्ट्र को कमजोर करती हो, हमें उससे खुद को अलग करना होगा। समाज में बिखराव करने वाले तत्वों को बेनकाब कर समाज से अलग –थलग करना धर्म का कार्य होना चाहिए। उन्होंने कहा, आज अयोध्या में कई आश्रम हैं, वहां सनातनी वातावरण है। दुनिया में कहीं भी अगर सनातन को अपमान झेलना पड़ा, तो वहां कोई न कोई कमी जरूर रही। कोई भी सभ्य व्यवस्था, अपनी गलतियों का परिमार्जन जितनी जल्दी कर ले, वह उतना अच्छा है। समाज में कोई कमी है, फूट पड़ रही है, मतभेद हो रहे हैं, तो समय रहते उसका इलाज जरूरी है, नहीं तो वह कैंसर बन जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुग्रीव किला का संबंध देवरहा बाबा से भी रहा है। उन्होंने बताया कि यह स्थल श्रीराम के वनवास काल से जुड़ा है, जब भरत जी ने इसे श्रीराम के निवास के लिए तैयार किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले इस किले तक पहुंचने का मार्ग संकरा था, लेकिन अब इसे चौड़ा और सुगम बना दिया गया है। उन्होंने इसे अयोध्या के विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया। योगी ने कहा कि अयोध्या अब न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण का केंद्र है, बल्कि विश्व की सबसे सुंदर नगरी के रूप में भी विकसित हो रही है।

राहुल गांधी का दावा, राज्य में 70 प्रतिशत हो चुकी है जाति जनगणना

तेलंगाना, एजेसी। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने 70 फीसदी से ज्यादा जाति जनगणना का काम पूरा कर लिया है। उन्होंने

कहा कि जल्द ही पूरे राज्य का विवरण जारी किया जाएगा, जिसके आधार पर नीतियां बनाई जाएंगी। कांग्रेस नेता ने कहा, इससे सामाजिक न्याय भी मजबूत होगा। उन्होंने एक्स पर लिखा कि तेलंगाना में हमारी सरकार ने जातिगत गिनती का 70% से ज़्यादा काम पूरा कर लिया है। जल्द ही पूरे राज्य का विस्तृत डेटा सरकार के पास होगा, जिसका इस्तेमाल हम नीतियां बनाने और सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए करेंगे। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि कहा कि जाति जनगणना उन सभी महत्वपूर्ण कदमों में से पहला कदम है जो अगले कुछ दशकों में संपूर्ण विकास के लिए योजना बनाने में मदद करेगा। बार–बार देश में एक व्यापक जातिगत जनगणना करवाने की मांग कर रहा हूं। राष्ट्रीय स्तर पर भी हम एक व्यापक जातिगत जनगणना करवा कर रहेंगे। गांधी ने 5 नवंबर को कहा था कि वह तेलंगाना में जाति जनगणना सुनिश्चित करने और राज्य को देश में जाति जनगणना के लिए एक मॉडल बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। सर्वेक्षण 6 नवंबर से शुरू हुआ था। जाति जनगणना भेदभाव की सीमा और प्रकृति का आकलन करने के लिए शुरू की जाने वाली पहली प्रक्रिया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पूर्व नौकरशाह एसएम खान के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली, एजेसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के पूर्व अधिकारी एस. एम. खान के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा है

कि उन्होंने अपने उत्कृष्ट करियर के दौरान अत्यंत समर्पण के साथ सार्वजनिक संचार के उच्च मानदंडों को कायम रखा। दिवंगत अधिकारी की पत्नी शहनाज खान को लिखे पत्र में राष्ट्रपति ने कहा कि खान को सदैव पेशेवर उत्कृष्टता और उनके मिलनसार व्यवहार के लिए याद किया जाएगा, जिसके कारण उन्हें अनगिनत मित्र मिले।

महाराष्ट्र और झारखंड दोनों ही राज्यों में 'इंडिया' गठबंधन आगे है – प्रमोद तिवारी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने दावा किया है कि महाराष्ट्र और झारखंड में संपन्न हुए मतदान में इंडिया गठबंधन आगे है। इंडिया गठबंधन अपनी सभी प्रतिद्वंदी पार्टियों को पछाड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, "जहां कहीं भी मतदान हुए हैं, वहां लोगों के बीच भाजपा को लेकर नाराजगी देखने को मिल रही है। चाहे आप बात महाराष्ट्र की करें, झारखंड की करें, या उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों की करें। हर सीट पर लोगों के बीच में भाजपा को लेकर व्यापक स्तर पर नाराजगी देखने को मिली है और मैं यह बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि यही नाराजगी भाजपा के पराजय का कारण बनेगी। उन्होंने कहा, "उत्तर प्रदेश की 9 सीटों पर 'इंडिया' गठबंधन जीतेगा। हो सकता है कि एक दो सीट पर मुकाबला कड़ा देखने को मिल सकता है। कुछ ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिसमें पुलिस द्वारा परंपरागत मतदाता को रोका जा रहा है। वहीं,

उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर लगे पैसे बांटने के आरोपों पर कहा कि उन पर सिर्फ लोगों के बीच पैसे बांटने के आरोप नहीं लगे हैं, बल्कि उनके पास से पैसे भी बरामद हुए हैं। करोड़ों रुपए महज एक निर्वाचन क्षेत्र में बांटा जा रहा है, तो इससे आप सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं कि पूरे महाराष्ट्र में मतदाता के बीच कितने पैसे बांटे जा रहे होंगे। ऐसे लोगों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी मतदाता को प्रभावित ना कर सके। बता दें कि आज (20 नवंबर) महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीट और झारखंड में दूसरे चरण के तहत 38 सीटों पर मतदान हुआ है।

2029 चुनाव जीतने की तैयारी शुरू कर चुके हैं पीएम मोदी – चंद्रबाबू

आंध्र प्रदेश, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर रहे है। मोदी सरकार 3 में चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी की अहम भूमिका है। 2024 के चुनाव में भाजपा को अपने दम पर बहुमत नही मिल सकी। यही कारण है कि मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को टीडीपी और जदयू जैसे सहयोगियों की जरूरत है। हाल में ही चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने 2029 में होने वाले अगले आम चुनावों के लिए पहले से ही योजना बना ली है। 2024 एचटी लीडरशिप समिट में चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि वह (मोदी) हमेशा अगले चुनाव के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने पहले ही इसकी योजना बना ली है और देश हित में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। वह इसी तरह मिशन मोड में काम कर रहे हैं।

तेलुगु देशम पार्टी के नेता नायडू ने कहा कि उन्होंने कहा कि उनका दृष्टिकोण निर्णय लेने में केंद्र को प्रभावित करने का नहीं, बल्कि उसके साथ मिलकर काम करने का है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री अपने सहयोगियों के साथ महान विचार साझा करते हैं, तो हम न केवल उनके साथ काम करेंगे, बल्कि उन्हें मजबूत भी करेंगे। नायडू ने अपने राजनीतिक सहयोगियों के विचारों का सम्मान करने के लिए भी मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वह एक मजबूत नेता, आधुनिक और प्रगतिशील दृष्टिकोण वाले हैं।

हत्या के दोषियों को जल्द ही न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाएगा - बीरेन

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में लंबे समय से हिंसा चल रही थी लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद ये हिंसा कुछ समय से शांत थी। कुछ रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में संवेदनशील जगहों से भी सुरक्षा बलों को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी थी लेकिन पिछले काफी समय से फिर से हिंसा ने अपना सिर उठा लिया है। राज्य का माहौल तब खराब हो गया जब 6 मासूमों की हत्या की खबर सामने आयी थी। जिसके बाद हिंसा का नया दौर शुरू हो गया। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य में हिंसा के नए चक्र को फिर से शुरू करने के लिए षकुछ निहित स्वार्थों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन–चार महीनों से राज्य अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण था। उन्होंने कांग्रेस नेता पी चिदंबरम की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने ष्मौजूदा संकट पैदा किया है।ष सिंह का यह सीधा हमला चिदंबरम द्वारा एक्स पर एक पोस्ट में यह सुझाव दिए जाने के कुछ घंटों बाद आया कि ष्मैतेई, कुकी–जो और नागा एक राज्य में तभी साथ रह सकते हैं, जब उनके पास वास्तविक क्षेत्रीय स्वायत्तता हो।, और उन्होंने संकट पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री को दोषी ठहराया। हालांकि मणिपुर में अस्थिर स्थिति के बीच मणिपुर कांग्रेस प्रमुख केशम मेघचंद्र द्वारा पोस्ट को हटाने के अनुरोध के बाद चिदंबरम ने पोस्ट को हटा दिया। मेघचंद्र ने श्री चिदंबरम को जवाब देते हुए कहा, ष्कृपया इस पोस्ट को हटा दें। मणिपुर में उथल–पुथल की स्थिति है। यह बहुत संवेदनशील है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस सांसद ने इस अनुरोध को स्वीकार कर लिया है, क्योंकि यह पोस्ट अब उनकी टाइमलाइन पर नहीं है। कांग्रेस नेता चिदंबरम की टिप्पणी उनकी निजी टिप्पणी है और यह पार्टी के रुख को नहीं दर्शाती है। इसके अलावा

और मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री ओ इबोबी सिंह ने आज इंफाल में संवाददाताओं से कहा कि श्री मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने पिछले सप्ताह संदिग्ध कुकी उग्रवादियों द्वारा छह लोगों की हत्या किये जाने पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सरकार तब तक शांत नहीं बैठेगी जब तक दोषियों को न्याय के कठघरे में खड़ा नहीं कर दिया जाता। उन्होंने कहा कि तीन महिलाओं और तीन बच्चों के हत्यारों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। जिरीबाम जिले में एक नदी से बरामद किए गए थे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि महिलाओं और बच्चों की हत्या मानवता के खिलाफ अपराध है। सिंह ने बुधवार रात 'एक्स' पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में कहा, ''आज मैं जिरीबाम में कुकी आतंकवादियों द्वारा बंधक बनाए जाने के बाद तीन निर्दोष बच्चों और तीन निर्दोष महिलाओं की निर्मम हत्या किये जाने की घटना की निंदा करने के लिए बहुत दुख और गुस्से के साथ यहां खड़ा हूं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''इस तरह के बर्बर कृत्यों का किसी भी सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं है। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि इन आतंकवादियों की तलाश जारी है उन्हें जल्द ही न्याय के कठघरे में लाया जाएगा। जब तक उन्हें उनके अमानवीय कृत्य के लिए जवाबदेह नहीं ठहराया जाएगा, हम चौन से नहीं बैठेंगे। उग्रवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी में 10 विद्रोहियों की मौत के बाद जिरीबाम में विस्थापितों के एक शिविर से 11 नवंबर से छह लोग लापता थे। सिंह ने जिरीबाम में त्वरित कार्रवाई करने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को धन्यवाद दिया। कर्तव्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता ने जिरीबाम के बोरोबेक्रा स्थित राहत शिविरों में रहने वाले सैकड़ों लोगों की जान बचाई।

संपादकीय

शिक्षा को नया स्वरूप देना

कमाई, बचत और पैसे के प्रबंधन पर व्यावहारिक पाठों को एकीकृत करके, शिक्षा छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार कर सकती है यह कहना सत्य है कि दुनिया तेजी से जटिल होती जा रही है और इससे निपटने के तरीकों को संरचित और समझने की जरूरत है। यह अकेले ही उस दुनिया में जिस तरह से काम कर रहा है उस पर बढ़ते दुःख और घबराहट से बचाएगा। वित्त के क्षेत्र का एक उदाहरण स्थिति को स्पष्ट कर सकता है। यह स्पष्ट बात है कि हर किसी को जीवित रहने के लिए वित्त की आवश्यकता होती है और यदि वित्त कहीं से अर्जित नहीं किया जाता है तो उसे प्राप्त करना ही पड़ता है। वित्त को समझने या कमाई करने के इस व्यवसाय के लिए यह समझने की क्षमता की आवश्यकता होती है कि वित्त क्या है और इसे कैसे अर्जित किया जा सकता है। वित्त कई आकार और रंगों में आता है। सभी वित्त में एक सामान्य कारक यह है कि यह किसी के प्रयास के लिए एक मौद्रिक मूल्य डाल रहा है और यह सिस्टम को चालू रखने के लिए किए गए कार्यों के लिए मुआवजा है। वित्त प्रयास और उसके मुआवजे के बीच समीकरण स्थापित करता है और बदले में वित्त खरीदारी और खरीद से परे जीवन की जरूरतों को प्राप्त करने दोनों के लिए एक उपकरण बन जाता है। ऐसा करने के लिए, किसी को मुद्रा, उसकी तुल्यता और प्रयास में मुद्रा को कैसे मापा जाता है, यह समझने की आवश्यकता है। यह हमारे प्रचलित स्कूल और कॉलेज प्रणाली की पहेली में से एक है कि इन मामलों को शायद ही कभी पाठ्यक्रम के माध्यम से या औपचारिक स्थिति में समझाया जाता है। अवलोकन के माध्यम से वित्त के बारे में बहुत कुछ सीखा जाता है और जिस घरेलू माहौल में व्यक्ति बड़ा हुआ है, वह परिचालन जीवन में लेन–देन में परिवर्तित हो जाता है और व्यक्ति अपने जीवन में काफी पहले ही सीख लेता है कि पैसा कमाने के लिए उसके पास क्षमताएं होनी चाहिए और इसलिए वित्त से निपटना चाहिए। प्रत्येक प्रणाली में प्रयासों और मुआवजे के बीच समानता के अपने तरीके होते हैं और जो ताकतें इसे निर्धारित करती हैं उन्हें अक्सर बाजार ताकतों के रूप में जाना जाता है। यह अपने आप में एक कला है जिसे जीवन कभी–कभी सरलता से और बार–बार परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से सिखाता है। इस प्रकार, यह है कि वित्त न केवल मुश्किल है, बल्कि यह समझने में मदद करता है और फिर भी यह किसी के भी जीवन की आधारशिलाओं में से एक है। बातचीत को आगे बढ़ाते हुए, यह महसूस करने की जरूरत है कि वित्त में कुछ बुनियादी घटक होते हैं जैसे कमाई, बचत, निवेश, मूर्त संपत्ति में परिवर्तित करना और भी बहुत कुछ। प्रत्येक क्षेत्र समय के साथ सीखने और वास्तव में किसी के अस्तित्व की खुशी या अन्यथा का एक विशेष क्षेत्र बन गया है। स्कूल की उच्च कक्षाओं में वित्त में कुछ ताकतें होती हैं जहां कुछ बुनियादी अवधारणाओं को समझाया जाता है और वित्त पर कुछ आवश्यक मूलभूत विचार साझा किए जाते हैं। जरूरत इस बात की है कि इसे व्यावहारिक दिशा दी जाए और फील्डवर्क के माध्यम से लोगों को वित्त का महत्व और मानव जीवन में इसकी केंद्रीय भूमिका सिखाई जाए। अधिकांश कक्षाएँ सोच के उस स्तर तक, या सोचने के उस तरीके तक नहीं पहुंची हैं, जिसका बहुत सरल अर्थ है कि अधिकांश लोग वित्त की अनिवार्यताओं और जीवन की नींव के बीच संबंध को समझे बिना ही अपनी स्कूली शिक्षा पूरी कर लेते हैं। स्थिति तब और अधिक जटिल हो जाती है जब कोई कॉलेज या विश्वविद्यालय स्तर से स्नातक होता है और तब तक जब तक वह वित्त में एक विशिष्ट पाठ्यक्रम नहीं कर रहा होता है, वह वित्त के बारे में स्कूल में जो सीखा है उससे आगे कभी कुछ नहीं सीख सकता है। यह एक नुकसान है क्योंकि, जैसा कि ऊपर बताया गया है, स्कूल में वित्त के बारे में जो पढ़ाया जाता है वह वित्त के अभ्यास में बहुत दूर तक नहीं जाता है। हर किसी को यह जानने की जरूरत है कि प्रबंधन कौशल में किसी के मूल्य के बीच क्या संबंध है और जानकारी और पर्यावरण द्वारा वित्तीय दृष्टि से इसकी भरपाई कैसे की जाती है। यह अपने आप में एक पेचीदा प्रस्ताव है और, जैसा कि पहले सुझाव दिया गया है, इस पर फील्डवर्क की आवश्यकता है। फिर वित्त के अंतिम क्षेत्र हैं जिन्हें व्यावहारिक दुनिया के सामने लाए बिना सीखा नहीं जा सकता और यह ऐसा मामला नहीं है जिसे कक्षा में लाया जा सके। इसके अलावा, एक सामान्य शिक्षा प्रणाली में, फिर से अंतराल होते हैं जहां यह सीखना डिफॉल्ट रूप से होता है और लोगों को परीक्षण और त्रुटि के माध्यम से खुद के लिए भुगतान करने के लिए छोड़ दिया जाता है। इससे न केवल अत्यधिक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं बल्कि किसी न किसी प्रकार की जटिलताएँ भी उत्पन्न होती हैं। किसी की कमी हो सकती है या किसी को पता नहीं हो सकता है कि सेवाएं, कई मामलों में, किसी प्रकार के मुआवजे के बिना प्रदान नहीं की जा सकती हैं और मुआवजा अक्सर पैसे के रूप में होना चाहिए। लोगों को धन, वित्त और प्रयास के बीच संबंध समझाना एक सार्थक तरीका होगा। ऐसा दृष्टिकोण न केवल स्कूलों बल्कि कॉलेजों के पाठ्यक्रम को भी किसी के जीवन में सार्थक और अधिक व्यावहारिक बनाने में मदद करेगा। जैसा कि मामला है, यदि कोई भौतिकी, रसायन विज्ञान, इतिहास, मनोविज्ञान, भूगोल, या किसी अन्य चीज में विशेषज्ञता रखता है।

उथल-पुथल के बीच जी-20 प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष

आदित्य

दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेता वार्षिक जी20 शिखर सम्मेलन के लिए ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में विचार–विमर्श कर रहे हैं, लेकिन अनसुलझे भू–राजनीतिक तनाव वैश्विक परिदृश्य को प्रभावित कर रहे हैं। यूक्रेन में युद्ध को अभी–अभी 1,000 दिन हुए हैं और फिलिस्तीनियों के साथ इजरायल के नरसंहार संघर्ष का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। बढ़ते तनाव ने लेबनान और ईरान को पश्चिम एशियाई उथल–पुथल में और भी ज्यादा घसीट लिया है।इसके अलावा, सम्मेलन के स्थल रियो के आधुनिक कला संग्रहालय में, अमेरिका के भावी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अप्रत्याशितता की चर्चा हो रही है – जो बहुपक्षवाद के एक जाने–माने संशयवादी हैं – जो अब से दो महीने बाद व्हाइट हाउस में बैठेंगे और 2026 में ळ20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। 1999 में कई बड़े अंतरराष्ट्रीय ऋण संकटों के जवाब में बनाए गए, जी20 का उद्देश्य साझा आर्थिक, राजनीतिक और स्वास्थ्य चुनौतियों के इर्द–गिर्द दुनिया के नेताओं को एकजुट करना है। यह एक अनौपचारिक समूह है जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 85 प्रतिशत, विश्व व्यापार का 75 प्रतिशत और दुनिया की लगभग दो–तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। 19 देशों, यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ (एयू) से मिलकर बना यह संगठन खुद को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए प्रमुख मंच के रूप में पेश करता है। रियो शिखर सम्मेलन में पहली बार एयू पूर्ण सदस्य के रूप में भाग लेगा, क्योंकि इसे पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन के दौरान ही शामिल किया गया था। इसका शामिल होना उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकसित देशों के बीच बहुपक्षीय सहयोग के महत्व को रेखांकित करता है। रूस के कजान में पिछले महीने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शिखर सम्मेलन में उपस्थिति को वैश्विक दक्षिण के साथ नई दिल्ली की निरंतर भागीदारी के रूप में देखा जाएगा। मोदी ने शनिवार को कहा, पिछले साल, भारत की सफल अध्यक्षता ने जी20 को लोगों का जी20 बना दिया और वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं को अपने एजेंडे में मुख्यधारा में ला दिया। इस साल, ब्राजील ने भारत की विरासत को आगे बढ़ाया है। 'एक न्यायपूर्ण विश्व और एक संधारणीय ग्रह का निर्माण' थीम के साथ, ब्राजील के जी20 एजेंडे का उद्देश्य संधारणीय विकास और हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना, गरीबी से

लड़ना और असमानता को कम करना है। अन्य प्रमुख मुद्दों में बहुपक्षीय सुधार, ऋण स्थिरता, वैश्विक डिजिटल विभाजन को पाटना और जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संक्रमण चुनौतियों से निपटना शामिल हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन जैसे वैश्विक शासन संस्थानों में सुधार के मुखर समर्थक रहे हैं, जिसमें विकासशील देशों के लिए मजबूत प्रतिनिधित्व पर जोर दिया गया है। लैटिन अमेरिका, अफ्रीका, भारत, जर्मनी और जापान के देशों को शामिल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विस्तार करने का उनका प्रस्ताव इस प्रयास को दर्शाता है। इस फरवरी में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा ने कहा, "बहुपक्षीय संस्थाएँ वर्तमान चुनौतियों से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से सुसज्जित नहीं हैं।" वैश्विक शासन में असंतुलन स्पष्ट हैरू वैश्विक आबादी के केवल 13 प्रतिशत के साथ ळ7 राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के 59 प्रतिशत मतदान अधिकारों को नियंत्रित करते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि वैश्विक शासन सुधार पर चर्चा कितनी आगे बढ़ती है, जो ब्राजील की जी20 अध्यक्षता का एक केंद्रीय विषय है। यह पिछले साल भारत के जी20 एजेंडे का भी एक प्रमुख विषय था, लेकिन इस पर कोई और प्रगति नहीं हुई।

देशों और वैश्विक संगठनों को संगठित करने के लिए ब्राजील की पहल, भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन के शुभारंभ से 2030 तक अच्छे संघर्ष में तेजी आने की उम्मीद है। एजेंडे में दुनिया के सामने अभूतपूर्व जलवायु संकट भी सबसे ऊपर है। अजरबैजान के बाकू में काप 29 में जलवायु वित्तपोषण पर समझौते तक पहुँचने में प्रगति की कमी ने जी20 जलवायु वार्ता पर छाया डाल दी है।

इस बीच, ट्रम्प की शानदार चुनावी जीत ने बहुपक्षवाद के भविष्य के बारे में ही सवाल खड़े कर दिए हैं। उनकी पहली अवधि की नीतियों ने वैश्विकता और जलवायु संबंधी चिंताओं को खारिज करने का सुझाव दिया, हालाँकि एकध्रुवीय दुनिया में गिरावट वाशिंगटन को इस बार अधिक रणनीतिक रूप से जुड़ने के लिए मजबूर कर सकती है। दिलचस्प बात यह है कि जी20 में ट्रम्प का रिकॉर्ड घनिष्ठ जुड़ाव का रहा है। उन्होंने 2017 में शुरू होने वाली अपनी पहली तीन जी20 बैठकों में भाग लिया और अपनी नीतियों के लिए जोरदार तरीके से जोर दिया। वैश्विक दक्षिण में कई राष्ट्र, जैसे भारत और इंडोनेशिया, वास्तव में अमेरिका के करीबी साझेदार हैं। फिर भी, तथ्य यह है कि वैश्विक दक्षिण वाशिंगटन की अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली के प्रबंधन और इसकी कई विफलताओं से असंतुष्ट है। यह असंतोष जी20 में इसकी प्राथमिकताओं में परिलक्षित होता है। साथ ही, इस बात की भी संभावना है कि वैश्विक कॉमन्स से वाशिंगटन द्वारा आंशिक रूप से वापसी को वैश्विक दक्षिण में कुछ अभिनेता पश्चिम के वर्चस्व वाली शक्ति संरचनाओं से मुक्त होने और पश्चिमी मूल्यों पर कम निर्भर एक बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था स्थापित करने में मदद करने के अवसर के रूप में देख सकते हैं। इससे ये देश चीन या रूस के करीब आ सकते हैं। इसलिए, एक उभरती हुई बहुध्रुवीय दुनिया में, यहां तक कि एक दक्षिणपंथी वाशिंगटन को भी जी20 जैसे मंचों के माध्यम से वैश्विक दक्षिण के साथ एक नया सौदा करना फायदेमंद लग सकता है।

केजरीवाल के लिए बहुमत पाना होगा मुश्किल

संतोष

रविवार को दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने वाले कैलाश गहलोत ने सोमवार को भाजपा का दामन थाम लिया। हालांकि गहलोत के आतिशी मंत्रिमंडल और आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देने के साथ ही यह तय माना जा रहा था कि उनका अगला ठिकाना भाजपा ही होने जा रहा है। इसी के साथ अब यह सवाल खड़ा हो गया है कि कैलाश गहलोत कुछ महीनों बाद ही दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को कितना फायदा पहुंचा सकते हैं। सवाल यह भी खड़ा हो रहा है कि क्या कैलाश गहलोत का कद वाकई इतना बड़ा है कि श्शीशमहलश सहित उनके द्वारा लगाए गए तमाम आरोपों से अरविंद केजरीवाल की छवि को कुछ नुकसान पहुंच सकता है।

यह बात बिल्कुल सही है कि कैलाश गहलोत आज जो आरोप लगा रहे हैं,लगभग उसी तरह के आरोप भाजपा पिछले लंबे समय से लगा रही है। दूसरी बात यह है कि , यह सब जानते हैं और मानते भी हैं कि आज की तारीख में आम आदमी पार्टी वन मैन पार्टी बन कर रह गई है। आप का मतलब, आज की तारीख में सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही रह गया है। ऐसे में बाकी मुद्दे लगभग गौण हो जाते हैं। अरविंद केजरीवाल की दिल्ली में सबसे बड़ी ताकत वो लाभार्थी वर्ग है जो उन्होंने महिलाओं को फ्री डीटीसी बस सेवा और दिल्लीवासियों को फ्री बिजली और पानी देकर तैयार किया है। इसके साथ ही केजरीवाल ने बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले लोगों के साथ–साथ जाट और मुस्लिम समुदाय के सॉलिड वोट बैंक का इतना मजबूत किला बना रखा है कि जिसे ढहाना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि भाजपा इस बार अरविंद केजरीवाल के मजबूत मोहरों के सहारे ही उन्हें विधानसभा चुनाव में मात देना चाहती है। कैलाश गहलोत का भाजपा में आना तो महज एक शुरुआत माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में केजरीवाल के कई कद्दावर नेता भाजपा का दामन थाम सकते हैं। ये सभी नेता आप सरकार की विफलताओं के साथ– साथ केजरीवाल की छवि पर भी चोट करेंगे। कैलाश गहलोत को पार्टी में शामिल कराकर भाजपा ने दिल्ली के जाट समुदाय को बड़ा संदेश देने का प्रयास किया है। आने वाले दिनों में भाजपा , आप में और ज्यादा तोड़–फोड़ कर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आने वाले दिल्ली के मतदाताओं को भी लुभाने का प्रयास करेगी। अगर वाकई भाजपा, अपनी रणनीति में कामयाब हो जाती है तो निश्चित तौर पर इसका असर आम आदमी पार्टी पर पड़ेगा। आप के लिए इस बार बड़ी चुनौती सिर्फ भाजपा की तरफ से ही नहीं आ रही है बल्कि कांग्रेस खासकर राहुल गांधी भी इस बार दिल्ली में पार्टी को मजबूत देखना चाहते हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से प्रेरित होकर कांग्रेस की दिल्ली प्रदेश ईकाई प्रदेश में श्दिल्ली न्याय यात्राश निकाल रही है। यह माना जा रहा है कि अगर कांग्रेस मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ती है तो फिर मामला पूरी तरह से त्रिकोणीय हो जाएगा। शीशमहल को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों अरविंद केजरीवाल की छवि पर लगातार चोट कर रहे हैं। ऐसे माहौल में यह तय माना जा रहा है कि 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में 70 में से 62 सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी के लिए इस बार बहुमत तक पहुंचना काफी मुश्किल होने जा रहा है। हम सबको दिल्ली में 2013 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों को जरूर ध्यान रखना चाहिए जब भाजपा को 32 (सहयोगी के साथ), आप को 28 और कांग्रेस को 8 सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

कृत्रिम बुद्धि का बढ़ता प्रभाव

ललित

नई तकनीकों का उपयोग करने वाले अभिनव उत्पाद और सेवाएं सौंदर्य और कल्याण क्षेत्र में हलचल मचाने लगी हैं। परिणामस्वरूप, पारंपरिक कौशल को मजबूत करने और आधुनिक तकनीकी कौशल जैसे कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ऐप विकास, ट्राई– ऑन सेवाओं के लिए संवर्धित वास्तविकता, डेटा एनालिटिक्स और उन्नत ग्राहक जुड़ाव रणनीतियों के साथ संयोजित करने की आवश्यकता है। एआई ने सौंदर्य और कल्याण क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, खासकर जब अनुकूलन और वैयक्तिकरण की मांग बढ़ी है। यह प्रवृत्ति विविध ग्राहक वरीयताओं, जीवन शैली, शरीर के प्रकार और आनुवंशिक कारकों को दर्शाती है। माइक्रोसाफ्ट टीमों के लिए मेवेलिन केएआई संचालित मेकअप फिल्टर के बारे में हाल ही में आई खबरों ने सौंदर्य क्षेत्र में एआई की भूमिका पर चर्चाओं को फिर से हवा दे दी है। यह पता लगाना महत्वपूर्ण है। कि एआई किस तरह से उद्योग को बदल रहा है और नवीनतम विकास पर अपडेट रहना चाहिए। 2020 में एआई का उपयोग करने वाले वैश्विक सौंदर्य उद्योग का मूल्य 216.12 मिलियन था और 2027 तक 1.26 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है। एक उद्योग रिपोर्ट बताती है कि 2021 से 2027 तक सौंदर्य क्षेत्र में एआई की वार्षिक वृद्धि दर 33.2 प्रतिशत होने की उम्मीद है। कई प्रयोगशालाओं ने एआई– संचालित त्वचा परामर्श उपकरण विकसित किए हैं जो त्वचा की उम्र बढ़ने का विश्लेषण करने के लिए संवर्धित वास्तविकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एकीकृत करते हैं। ये उपकरण उम्र बढ़ने के संकेतों की पहचान कर सकते हैं और त्वचा की मजबूती का आकलन कर सकते हैं, जिससे आगे की गिरावट को रोकने के लिए अनुरूप त्वचा देखभाल सिफारिशें मिल सकती हैं। उनके एल्गोरिदम 10,000 छवियों और 15 वर्षों की त्वचाविज्ञान विशेषज्ञता पर आधारित हैं। उपयोगकर्ता एक सेल्फी ले सकते हैं और अपनी त्वचा की स्थिति का अनुमान लगाने के लिए अपनी उम्र और त्वचा का प्रकार प्रदान कर सकते हैं और साथ ही एक व्यक्तिगत विश्लेषण भी प्राप्त कर सकते हैं। फिर उन्हें अनुकूलित त्वचा देखभाल नुस्खे प्राप्त होंगे। एआई त्वचा की स्थितियों का विश्लेषण करने, व्यक्तिगत त्वचा देखभाल और स्वास्थ्य दिनचर्या की सिफारिश करने और यहां तक कि रुझानों की भविष्यवाणी करने में सहायता करता है, जिससे अंततः उत्पाद विकास और ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि होती है। मुहांसे दुनिया भर में एक आम समस्या है, जो 80 प्रतिशत किशोरों और 40 प्रतिशत वयस्कों को प्रभावित करती है। एआई के साथ, विभिन्न जातीय त्वचा प्रकारों का प्रतिनिधित्व करने वाली 6,000 छवियों का एक डेटाबेस, मुहांसे से पीड़ित लोगों के लिए सटीक विश्लेषण और व्यक्तिगत नियमित अनुशंसाओं को सक्षम बनाता है। यह अभूतपूर्व एआई तकनीक वास्तविक त्वचा विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन की गई 10,000 प्रामाणिक छवियों की लाइब्रेरी से आकर्षित होती है, जो आठ नैदानिक मापदंडों और त्वचा के विभिन्न प्रकारों में लगभग 97 प्रतिशत की सटीकता दर प्राप्त करती है। लगातार विकसित हो रहे सौंदर्य और कल्याण उद्योग में, जहां नवाचार आत्मविश्वास और आत्म–अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है, एआई पहले से कहीं अधिक प्रभावी और व्यक्तिगत उत्पाद निर्माण बनाने में एक शक्तिशाली सहयोगी बन गया है। अपने विविध अनुप्रयोगों और क्षमताओं का लाभ उठाकर एआई एक क्रांति ला रहा है जो सौंदर्य और कल्याण उत्पादों के विकास, व्यक्तिगतकरण और विपणन के तरीके को बदल रहा है। ट्रेंड स्पॉटिंग से लेकर सटीक उत्पाद निर्माण तक, एआई सौंदर्य उद्योग को रोमांचक और अभूतपूर्व तरीकों से नया रूप दे रहा है। निर्माण प्रक्रिया में एआई को एकीकृत करने से उत्पाद की प्रभावशीलता भी सुनिश्चित हो सकती है। एआई एल्गोरिदम यह अनुकरण कर सकते हैं कि त्वचा द्वारा अवयवों को कैसे अवशोषित और चयापचय किया जाता है, संभावित अवांछित अंतः क्रियाओं या दुष्प्रभावों की पहचान करते हुए । यह दृष्टिकोण नए उत्पादों को बाजार में लाने से जुड़े जोखिमों को कम करता है और यह सुनिश्चित करता है कि उपभोक्ता अपनी भलाई से समझौता किए बिना इष्टतम परिणाम करें। परंपरागत रूप से, स्किनकेयर उत्पादों को एक ही आकार– फिट– सभी दृष्टिकोण के साथ विकसित किया गया है, जो अक्सर व्यक्तिगत उपभोक्ताओं की अनूठी जरूरतों को पूरा करने में विफल रहता है। एआई त्वचा के प्रकार, आयु, पर्यावरणीय कारकों और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं सहित विभिन्न डेटा बिंदुओं का विश्लेषण करके इस पद्धति को बदलता है।

संचालित उपकरणों का उपयोग करके, ब्रांड प्रत्येक ग्राहक की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित स्किनकेयर उत्पाद बना सकते हैं। उदाहरण के लिए एआई एल्गोरिदम फोटो और प्रश्नावली के माध्यम से उपयोगकर्ता की त्वचा की स्थिति का आकलन कर सकते हैं।

महाराष्ट्र और झारखंड की लड़ाई में बेमेल शब्दावली

संजय

वोट के लिए नेताओं की चालों को समझना पहले कभी इतना उलझन भरा नहीं रहा, जितना महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों के इस दौर में है। यह एक ऐसा चुनाव है, जिसमें क्षेत्रीय विशिष्टताएं और लोकाचार भाजपा की मान्यताओं और हिंदुत्व की विचारधारा के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं, जिसमें एक समान हिंदू बहुमत की अवास्तविक धारणा है, जो बंगाली लोककथाओं के अनुसार अनुमानित 33 करोड़ देवी–देवताओं की विशेष प्रथाओं को अनदेखा करते हुए एक मानकीकृत प्रारूप में पूजा–अर्चना करता है। लड़ाई यह है कि क्या "बतांगे या कटंगे" (विभाजित होने पर हम नष्ट हो जाएंगे), हिंसा की शब्दावली के निरंतर प्रसार में योगी आदित्यनाथ का योगदान, और "वोट जिहाद" की रणनीति का मुकाबला करने के लिए नरेंद्र मोदी का नारा "एक हैं तो सुरक्षित हैं", जिसका अर्थ है कि एकजुट होकर हम खड़े हैं (और) विभाजित होने पर हम गिर जाते हैं, महाराष्ट्र के लोकाचार को सही ढंग से दर्शाता है।

अगर विपक्ष ने कहा होता कि ये भड़काऊ नारे "प्रासंगिक नहीं हैं" या कहा होता, "सच कहूँ तो मेरी राजनीति अलग है। मैं सिर्फ इसलिए इसका समर्थन नहीं करूँगा क्योंकि मैं उसी पार्टी से हूँ। मेरा मानना घ्है कि हमें सिर्फ विकास पर काम करना चाहिए। एक नेता का काम इस धरती पर रहने वाले हर व्यक्ति को अपना बनाना है। इसलिए हमें महाराष्ट्र में इस तरह के किसी भी मुद्दे को लाने की जरूरत नहीं है", तो भाजपा बेफिक्र होती।

मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षा रखने वाले देवेंद्र फडणवीस समेत इसके प्रचारक इस बयान का विरोध करने के लिए दौड़े नहीं होते। शर्मनाक बात यह है कि जहरीले, सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी बयानबाजी पर ये सीधे हमले भाजपा के भीतर से ही शुरू होते हैं।

भाजपा की बेटी पंकजा मुंडे और कांग्रेस से आए अशोक चव्हाण ने ऐसा कहा है। भाजपा की मुश्किलें अजीत पवार और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा की गई "बतांगे–काटेंगे" की बयानबाजी की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष आलोचना से और भी जटिल हो गई हैं, जो दूसरे पक्ष के प्रतीक हैं जिन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिवसेना को तोड़कर भाजपा के साथ मिलकर महायुति का गठन किया था। चूंकि न तो श्री पवार और न ही श्री शिंदे भोले–भाले राजनेता हैं, इसलिए भाजपा के जहरीले मौखिक हमलों से खुद को दूर रखने का उनका कारण एक सुरक्षात्मक उपकरण हो सकता है, क्योंकि दोनों ही महाराष्ट्र और उसकी राजनीति में निहित भविष्य चाहते हैं। अगर श्री मोदी ने स्वामी विवेकानंद के गुरु श्री रामकृष्ण की शिक्षाओं का अध्ययन किया होता तो उन्हें पता चलता कि रामकृष्ण मठ का आदेश एक पूरी तरह से अलग विचारधारा के लिए प्रतिबद्ध है – "जोतो मोट, तोतो पोथ" – जिसका मोटे तौर पर अनुवाद यह है कि अध्यात्म के लिए जितने विचार हैं, उतने ही रास्ते हैं। दूसरे शब्दों में, कोई भी हिंदू मोक्ष के लिए अपना रास्ता खोजने के लिए स्वतंत्र है। श्री फडणवीस और आरएसएस द्वारा सुश्री मुंडे, श्री शिंदे, श्री चव्हाण और अजित पवार की आलोचना का जवाब देने के अंतिम प्रयास में महाराष्ट्र की राजनीतिक संस्कृति और लोकाचार के प्रति स्पष्ट अनादर प्रकट होता है, जो दर्शाता है कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में चुनाव हारने के बाद भी विविधता से निपटना नहीं सीखा है।

एक आकार–एक सूत्र के साथ इसका जुनून सभी राज्यों के लिए उपयुक्त नहीं है। हिंदी भाषी क्षेत्रों और असम में अपने लाभ के लिए काम करने वाली शब्दावली का उपयोग करने में सफल रही, जहाँ भूमि पुत्र राजनीति बनाम अवैध या अन्य प्रवासी, भाजपा के एक प्रमुख राष्ट्रीय पार्टी के रूप में उभरने से पहले से मौजूद हैं, अन्य जगहों पर इसकी लगातार विफलताएँ एक सबक होनी चाहिए।

आम चुनावों में दिसानायके की भारी जीत

विजय

पिछले हफ्ते श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके के नेतृत्व में नेशनल पीपुल्स पावर गठबंधन की देश के संसदीय चुनावों में भारी जीत भारत के दक्षिणी पड़ोसी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। दशकों में किसी भी श्रीलंकाई राष्ट्रपति को संसद में ऐसा जनादेश नहीं मिला है जैसा कि अब दिसानायके को मिला है। दो–तिहाई बहुमत के साथ, उनके पास कई वादों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संख्या है, जो उन्हें मतदाताओं के बीच प्रिय बनाते हैं। लेकिन यह शक्ति श्रीलंका के राष्ट्रपति को कठिन विकल्प चुनने के लिए भी मजबूर कर सकती है, खासकर जब बात उनके गठबंधन द्वारा संवैधानिक सुधार के प्रयास के वादे की हो। एनपीपी ने कहा है कि वह नए संविधान पर जनमत संग्रह की मांग करेगी। जनमत सर्वेक्षणों से यह संकेत मिलता है कि आम श्रीलंकाई देश के कार्यकारी राष्ट्रपति पद के मॉडल से दूर जाना चाहते हैं, जो आलोचकों का कहना है कि राष्ट्रपति को बहुत अधिक शक्ति और संसद को बहुत कम शक्ति देता है। लेकिन यह एकमात्र संवैधानिक परिवर्तन नहीं है जिसका समर्थन करने के लिए श्री दिसानायके पर दबाव होगा। सिंहली समुदाय में, खास तौर पर, श्रीलंकाई संविधान के 13वें संशोधन के खिलाफ एक मजबूत जन भावना है, जो प्रांतों को अधिक शक्तियाँ सौंपने की बात करता है। वह संशोधन, जिसके बारे में कई श्रीलंकाई मानते थे कि भारत ने देश पर थोपा था, कुछ स्वायत्तता का मार्ग प्रशस्त करने वाला था, खास तौर पर तमिल–प्रधान उत्तरी प्रांत के लिए। लेकिन लगातार श्रीलंकाई सरकारों ने लगभग 40 वर्षों तक इसे बड़े पैमाने पर नजरअंदाज किया है। संविधान से उस संशोधन को हटाने का कोई भी प्रयास निस्संदेह तमिलनाडु में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों को जन्म देगा और भारत और श्रीलंका के बीच महत्वपूर्ण तनाव को जन्म देगा। अब तक, श्री दिसानायके ने ऐसे पेचीदा मुद्दों से निपटने में घर और विदेश दोनों जगह परिपक्वता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने सितंबर में जीते गए राष्ट्रपति चुनाव से महीनों पहले नई दिल्ली का दौरा किया था, ताकि एनपीपी के मूल में मार्क्सवादी झुकाव वाली पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना के भीतर भारत विरोधी भावना के इतिहास के बावजूद भारत के साथ मिलकर काम करने की तत्परता का संकेत दिया जा सके। इसी तरह, संसदीय चुनावों से पहले, एनपीपी ने श्रीलंकाई तमिलों और मुसलमानों के बीच वोटों के लिए प्रचार किया।

शिक्षक विद्यार्थियों, अधिकारियों ने ली संविधान की शपथ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में संविधान दिवस 26 नवंबर के उपलक्ष्य में संविधान प्रतिज्ञा सप्ताह 20 नवंबर से 26 नवंबर 2024 का शुभारंभ विधिवत रूप से गुरुवार को किया गया। यह आयोजन राज्यपाल सचिवालय के निर्देशानुसार कुलपति प्रो. वंदना सिंह के संरक्षकत्व में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के मूट कोर्ट में हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय राय, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह और प्रो. मनोज मिश्र की गरिमामयी उपस्थिति में संविधान की शपथ दिलाई गई। नोडल अधिकारी डॉ. अनुराग मिश्र ने बताया कि संविधान प्रतिज्ञा सप्ताह के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनका उद्देश्य संविधान के मूल्यों और उसके महत्व को जनमानस में जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस, 26 नवंबर 2024 को सप्ताह के समापन पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें विश्वविद्यालय समुदाय की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी संकायाध्यक्षों, निदेशकों, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों और कर्मचारियों से इस आयोजन में सक्रिय सहभागिता की अपील की। संस्थान के निदेशक प्रो. देवराज सिंह ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों और विश्वविद्यालय के अधिकारियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. वनिता सिंह, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. राहुल राय, डॉ. रजित राम सोनकर, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. राजन तिवारी, प्रगति सिंह, जीशान अली और सूरज सोनकर सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

प्रधानाचार्य द्वारा खिलाड़ियों को किया गया प्रोत्साहित

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' जिला युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रामीण खेल उत्थान प्रीमियम लीग में पाली कस्बे के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कॉलेज की एथलेटिक्स टीम ने रिकॉर्ड कायम करते हुए 32 पदक अपनी झोली में डालें है। अभी हाल ही में इन खिलाड़ियों को जनपदीय खेल प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मंडल के लिये चयनित किया गया था जिसमें तीन खिलाड़ियों ने मंडलीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद लखीमपुर खीरी से हाल ही में लौटे हैं। विजेता खिलाड़ियों में प्रमुख रूप से सौरभ तिवारी,जैद अली,रामजी यादव,विनीत कुमार,अनुपम,विवेक, अमित यादव, गुलशन, आशीष कुशवाहा, कपिल, गणेश, अविरल आदि प्रमुख रहे । उक्त खिलाड़ियों के इस अच्छे प्रदर्शन पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ वेद प्रकाश द्विवेदी ने सभी विजेता खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र देकर मैडल पहनाकर प्रोत्साहित करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की साथ ही राजेश प्रकाश मिश्रा, विनोद प्रताप वर्मा,विजय यादव,संजय कुमार रस्तोगी,प्रवीण दीक्षित,आशीष यादव,मोहित यादव,अभिलाष त्रिपाठी,मिथिलेश मिश्रा, सुरेश सक्सेना,विनोद राठौर सहित समस्त स्टॉफ ने उदियमान खिलाड़ियों एवं उनके खेल प्रशिक्षक अनिल कुमार यादव को ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

नगर निगम महापौर व रुदौली विधायक ने संयुक्तरूप से किया मंडलीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। महापौर अयोध्या नगर निगम महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने गुरुवार को मंडलीय खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का अवलोकन राजकीय बालिका इण्टर कालेज मैदान में किया।इस मौके पर विधायक रूदौली रामचन्द्र यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, मां कामाख्या देवी चेयरमैन शीतला पांडेय, परिक्षेत्रीयधजिला ग्रामोद्योग अधिकारी राकेश कुमार, ज्येष्ठ लेखा परीक्षक परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग कार्यालय राकेश मोहन सहित अन्य लोगो ने गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।प्रदर्शनी में अयोध्या के रामजनम यादव किचन वेयर, इंटरनेशनल मार्केटिंग प्रा0लि0 व ग्राम स्वावलम्बी विद्यालय, गोंडा से अवध ग्रामोद्योग मण्डल, खादी ग्रामोद्योग आश्रम, देवनिधि समग्र महिला विकास संस्थान, पूर्वांचन एण्ड रेडीमेड गारमेंट, बस्ती के मीना हैण्डीक्राप्ट, हाथरस के यर्ष ग्रामोद्योग संस्थान, मथुरा के अनुपमा अगरबत्ती उद्योग, गोरखपुर के ए0एस0 हर्बल, भारद्वाज खादी ग्रामोद्योग सेवा संस्थान व आकाश ग्रामोद्योग संस्थान कानपुर, कन्नौज के राधा ग्रामोद्योग व चन्दन फेस पाउडर, फतेहपुर से शिव ग्रामोद्योग, अमेठी के महाराजा हस्तकला केन्द्र, प्रयागराज से पांडेय ग्रामोद्योग, सुल्तानपुर से प्रवेश कुमार ग्रामोद्योग, आजमगढ़ के इकबाल साड़ी उद्योग, लखनऊ के ब्राह्मन ग्रामोद्योग सेवा समिति, हरिद्वार से जे0बदरी ग्रामोद्योग, जय बद्री ग्रामोद्योग व जूता चप्पल, पटियाला पंजाब के रवि कुमार पंजाबी जूती व मदन राठौर पंजाबी जूती, राजस्थान के जोधपुर बन्धन गृह हस्तकला आदि के स्टॉल लगाये गये। इस मौके पर महापौर ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुये वहां लगे

स्टॉल को देखा गया तथा कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षत्रों में कार्यरत परम्परागत कारीगरों के चिन्हित उत्पादों के प्रदर्शन के साथ–साथ बिक्री हेतु महत्वपूर्णध्वहद आकार उपलब्ध कराने तथा बेरोजगारों को रोजगार से जोड़ने हेतु प्रेरित करने तथा सामान्य नागरिकों को भी खादी एवं ग्रामोद्योग के उत्कृष्ट उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। प्रदर्शनी के आयोजन से नवयुवकध्नवयुवतियाँ को स्वरोजगार स्थापना की दिशा में सार्थक प्रेरणा प्राप्त होगी।विधायक रूदौली रामचन्द्र यादव ने प्रदर्शनी का फीता काटकर व दीप प्रज्जवलित कर शुभारम्भ किया गया और वहां लगे स्टॉलों का अवलोकन करते हुये स्टॉल के व्यक्तियों से वार्ता की गयी। उन्होंने कहा कि खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश के कई जनपदों के संस्थागतध व्यक्तिगत इकाइयों के साथ साथ राजस्थान पंजाब, उत्तराखंड व जम्मू कश्मीर के उद्यमियों द्वारा उत्पादित खादी ग्रामोद्योग सामग्री के इकाइयों के उत्पादन सामग्री को स्टॉलों पर प्रदर्शित किया गया है।जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने कहा कि हमारा देश की अधिकांश आबादी गांवों में निवास करती है। प्राचीन काल से ही देश के कुटीर उद्योग धंधों की बहुतायत थी। जैसे दर्जीगिरी, छापीगिरी, बढई, लोहारगिरी, चर्मकारी, हस्तनिर्मित, खादी एवं रेशम के वस्त्र आदि ग्रामीण क्षेत्र के लोग स्वयं तैयार करते थे और जनमानस उपयोग करता था। उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यकम पूरे देश में चलाया जा रहा है।जिसमें 50 लाख रूपये तक के ऋण पर 25 से 35 प्रतिशत अनुदान अनुमन्य है। उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग द्वारा जनपद अयोध्या में उ०प्र० माटीकला बोर्ड की योजना के तहत् माटीकला से जुड़े प्रजापति समाज के शिल्पियों को विद्युत चालित चाक का निःशुल्क वितरण विगत 05 वर्षो से किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत विगत 04 वर्षो में 90 शिल्पियों को निःशुल्क विद्युत चालित चाक का वितरण किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में 35 शिल्पियों का चयन निःशुल्क विद्युत चालित चाक वितरण हेतु किया गया है। विभिन्न प्रान्तों के ग्रामीण कारीगरों द्वारा उत्पादित खादी, ऊनी, कम्बल, रेशम, जड़ी बूटियों से निर्मित औषधियां, फल, प्रशोधन, काष्टकला, चर्मकला आदि विभिन्न उत्पादन प्रदर्शनी में लगाये गये है। मण्डल के निवासियों को शुद्व खादी ग्रामोद्योगी सामान इस प्रदर्शनी के माध्यम से प्राप्त होगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि प्रदर्शनी में अधिक से अधिक लोग आकर प्रदर्शनी का लाभ उठायें। यह प्रदर्शनी 04 दिसम्बर 2024 तक जीजीआई के ग्राउंड में चलेगी।

नशीली दवाओं की लत और मादक द्रव्यों के सेवन पर जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन हुआ

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) नेहरू युवा केंद्र, हरदोई के तत्वाधान में गुरुवार को नशीली दवाओं की लत और मादक द्रव्यों के सेवन पर जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन श्री हरिशंकर मिश्र डिग्री कॉलेज में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मुख्य चिकित्सा अधि कारी रोहतास कुमार जी ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पर्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिला युवा अधिकारी प्रतिमा वर्मा एवं प्राचार्य डॉ प्रभात कुमार दीक्षित ने मुख्य अतिथि के साथ साथ डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम मैनेजर ,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सुजीत कुमार सिंह, नशा मुक्ति विशेषज्ञ , डॉ बृजेश चंद्र गुप्ता , जिला परियोजना अधिकारी, अश्वनी कुमार मिश्र का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा युवाओं को शराब, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों के नशे से बचने के लाभ विस्तार से बताए, बताया कि युवा पीढ़ी में सोशल मीडिया नकारात्मक रूप से प्रभाव डाल रहे हैं , युवा पीढ़ी सही और गलत में फर्क नहीं कर पाती और बुरी आदतों में पड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ साथ अपने परिवार के भविष्य को भी कष्टमई बना देती है। युवाओं को न सिर्फ नशीले पदार्थ का सेवन नहीं करने बल्कि ऐसे वातावरण में रहने के स्वास्थ्य संबंधी नुकसान से भी अवगत कराया जहां पर आस पास के लोग नशा करते हैं । डॉ बृजेश चंद्र गुप्त जी ने युवाओं को तंबाकू से होने वाली जानलेवा बीमारियों के विषय में विस्तार से बताया। डी.पी.एम, एन. एच.एम., ने युवाओं को नशा मुक्ति पर अपने आस पास के क्षेत्र में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया । जिला परियोजना अधिकारी , अश्वनी कुमार मिश्र ने भी युवाओं को एक सत्य घटना पर आधारित कहानी सुनाकर युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ प्रभात कुमार दीक्षित ने नशे से दूर रहने और इस विषय में आस पास जागरूकता करने की भी अपील की। युवाओं को नशा मुक्ति संबंधी प्रचार सामग्री भी उपलब्ध कराई गई और अपील की गई कि इस विषय पर अपने आस पास जागरुकता अवश्य फैलाएं। सभी को माई भारत प्रिंटेड कैप, पेन और नोटपैड का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के संचालन एवं संयोजन में पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक मृदुल अवस्थी एवं प्रियांशु अवस्थी का ने सहयोग प्रदान किया।

शारदा इंस्टीट्यूट के सभागार में 23 नवंबर को होगी ग्रापए लखनऊ मंडल की समन्वय बैठक

(आर एल पाण्डेय) ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन (लखनऊ मंडल) की समन्वय बैठक 23 नवंबर को शारदा इंस्टीट्यूट, लखनऊ के सभागार में संपन्न होगी। बैठक में लखनऊ मंडल के 6 जनपदों के जिला अध्यक्ष संगठन की गतिविधियों पर चर्चा करेंगे तथा संगठन को मजबूत बनाने के लिए आगामी योजनाओं पर विचार विमर्श करेंगे। यह जानकारी देते हुए लखनऊ के जिला अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि बैठक की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी हैं। मुख्य अतिथि एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवी प्रसाद गुप्ता संगठन को मजबूत बनाने के लिए परस्पर समन्वय स्थापित करने हेतु प्रेरित करेंगे व एसोसिएशन के राष्ट्रव्यापी विस्तारीकरण पर चर्चा करेंगे। बैठक में विशिष्ट अतिथि ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन (उत्तर प्रदेश) के प्रांतीय महासचिव डॉ. कृष्ण गोपाल गुप्ता लखनऊ मंडल के सीतापुर, लखीमपुर, रायबरेली, उन्नाव, हरदोई तथा लखीमपुर जनपदों की जिला इकाइयों की समीक्षा करेंगे। बैठक का संचालन, लखनऊ मंडल के अध्यक्ष व एसोसिएशन के कर्नाटक प्रभारी, अतुल कपूर करेंगे। लखनऊ मंडल के प्रवक्ता अम्बरीष कुमार सक्सेना पत्रकार उत्पीड़न की घटनाओं व जिला पत्रकार स्थाई समितियों के गठन के बारे में चर्चा करेंगे। यह जानकारी देते हुए समन्वय बैठक के आयोजक व लखनऊ जनपद के महामंत्री आर. एल. पाण्डेय ने बताया कि उक्त बैठक आगामी 23 नवंबर को श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सभागार में शनिवार को 11रू00 बजे से प्रारंभ होगी। प्रोफेसर विवेक मिश्रा मुख्य वक्ता के रूप में लखनऊ मंडल के सभी जिलों में एसोसिएशन को मजबूत करने के लिए परस्पर समन्वय स्थापित करने हेतु मार्गदर्शन करेंगे। बैठक में हरदोई के जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह, सीतापुर के जिला अध्यक्ष सुदीप मिश्रा, लखीमपुर के जिला अध्यक्ष नितेश अग्रवाल, रायबरेली के जिला अध्यक्ष चंद्रेश त्रिवेदी, लखनऊ के जिला अध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव व उन्नाव के जिला अध्यक्ष सुयश बाजपेई सहभागिता करेंगे।

बहादुरी, दर्द और इंसानियत की मिसाल बन गए हैं पसमांदा समाज के याकूब – अनीस मंसूरी

लखनऊ। पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री माननीय मनीस मंसूरी ने अपने कार्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कहा कि हमीरपुर जिले के राठ तहसील के छोटे से कस्बे में रहने वाले याकूब मंसूरी आज पूरे देश के लिए बहादुरी और इंसानियत की मिसाल बन गए हैं। हाल ही में झांसी मेडिकल कॉलेज में हुए भीषण अग्निकांड ने न केवल उनके परिवार को बल्कि पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया। इस घटना में याकूब ने अपनी दो जुड़वां बेटियों को खो दिया, लेकिन उनकी दिलेरी ने दर्जनों मासूम बच्चों की जान बचा ली। अनीस मंसूरी ने कहा कि पसमांदा मुस्लिम समाज के नौजवान याकूब ने दर्द के बीच साहस का प्रदर्शन किया है। आग लगने की घटना में जहां लोग अपनी जान बचाने में लगे थे, वहीं याकूब मंसूरी ने अपने दर्द को किनारे रखते हुए उन बच्चों की मदद की जो आग की चपेट में फंसे थे। अपनी बेटियों को खोने के बावजूद, याकूब ने बिना किसी भेदभाव के बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला।

याकूब की दिलेरी को सलाम

अनीस मंसूरी ने कहा कि याकूब मंसूरी की इस घटना ने साबित कर दिया कि इंसानियत हर चीज से ऊपर है। उनकी दिलेरी न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व की बात है। उन्होंने जिस तरह अपने निजी दर्द को दरकिनार करते हुए दर्जनों मासूमों की जान बचाई, वह अपने आप में प्रेरणादायक है।

उन्होंने कहा कि यह कहानी हमें सिखाती है कि इंसानियत, भाईचारा और साहस किसी भी विपरीत परिस्थिति में हमें मजबूत बनाते हैं। याकूब मंसूरी जैसे लोगों की वजह से ही समाज में अच्छाई की लौ जलती रहती है। उनका यह साहस आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनकर हमेशा याद रखा जाएगा। इलियास मंसूरी, जो पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीस मंसूरी के प्रतिनिधि बनकर याकूब से मिलने गए थे, ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "याकूब मंसूरी की बहादुरी और इंसानियत की भावना पर पूरे समाज को गर्व है। उनकी यह कार्रवाई एकता और सौहार्द का प्रतीक है। उनके साहस ने न केवल मंसूरी समाज बल्कि पूरे पसमांदा मुस्लिम समाज का नाम रौशन किया है।

पीड़ित परिवार से मुलाकात

प्रतिनिधि मंडल ने याकूब मंसूरी के आवास पर पहुंचकर उनके परिवार से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। याकूब के पिता छिद्दू मंसूरी और उनके भाइयों से घटना की विस्तृत जानकारी लेते हुए सभी ने परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। इलियास मंसूरी ने बताया कि याकूब की बहादुरी को समाज के हर व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा ताकि लोग उनकी इंसानियत और साहस से प्रेरणा ले सकें। उन्होंने कहा, "यह घटना न केवल मंसूरी समाज के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह संदेश देती है कि आपसी भाईचारे और मानवता की भावना हमें हर मुश्किल घड़ी में साथ रखती है। इस अवसर पर ऑल इंडिया मंसूरी समाज और पसमांदा मुस्लिम समाज के कई प्रमुख लोग उपस्थित थे। प्रतिनिधि मंडल में शामिल जिला महासचिव मुन्ना खां मंसूरी, हाजी सुल्तान मंसूरी, मास्टर अब्दुर रहमान मंसूरी और अन्य सदस्यों ने याकूब के साहस को सराहा।

'लखनऊ में महिला वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली(हरदोई)' विश्वविद्यालय स्तरीय महिला वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता 2024 का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय के कैम्पस स्थित महाराज जिम्नेजियम हाल में किया गया। जिसमें कोच दीपक सिंह के नेतृत्व में स्वामी ब्रह्मानंद महाविद्यालय आगमपुर शाहाबाद हरदोई की बी0ए0 पंचम सेमेस्टर की छात्रा निकिता वर्मा व नेहा वर्मा ने अलग–भार वर्ग में प्रथम स्थान तथा बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर की छात्रा खुशबू ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने

विद्यालय के साथ–साथ अपने माता पिता व गुरुजनों का नाम रोशन किया है। महाविद्यालय प्रबन्धक डॉ ए0बी0 सिंह,डॉ धीरू सिंह समेत समस्त स्टॉफ ने उक्त छात्राओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय प्रबंधक ए0बी0 सिंह ने बताया कि उक्त तीनों छात्राएं जनपद शाहजहांपुर के विकास खंड सिंधौली के ग्राम माहू दुर्ग की निवासी हैं। इस प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने के बाद इन तीनों छात्राओं का चयन नार्थ जोन यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता जनवरी 2025 में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर पंजाब में आयोजित की जाएगी।

आज खादी और ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से मंडल स्तरीय खादी व ग्रामोद्योग प्रदर्शनी का आयोजन राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में किया जाएगा। चार दिसंबर तक चलने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन बृहस्पतिवार को मुख्य अतिथि प्रदेश के कृषि व जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही करेंगे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी मौजूद रहेंगे। प्रदर्शनी में केंद्र व प्रदेश सरकार की ओर से संचालित योजनाओं में वित्त पोषित खादी व ग्रामोद्योगी, ओडीओपी, स्वयं सहायता समूह और अन्य विभागों से वित्त पोषित व सहायता प्राप्त प्रतिभागी अपने उत्पाद प्रदर्शित करेंगे। प्रदर्शनी में विभाग की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। इससे जिले में बेरोजगार महिला व पुरुष को अपना खुद का रोजगार स्थापित करने की प्रेरणा मिलेगी।

प्रधानाचार्यों एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित किया गया

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) नारायण कॉलेज बरेली द्वारा रामकुमार इंटर कॉलेज में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्यों एवं इंटर मीडियम पढ़ाने वाले शिक्षकों को आमंत्रित किया गया था।कार्यक्रम का उद्देश्य गुरुजनों को सम्मानित करना एवं उन क्षेत्रों के बारे में जानकारी देना था। जिनके बारे में लोग जानते नहीं। नारायण कॉलेज के चेयरमैन शशि भूषण द्वारा कुछ नए पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी दी गई।जो रोजगार परक हैं।उन्होंने कहा कि आज केवल बी ए, बी एस सी, बी काम, बी टेक, जी टी आई, बी सी ए आदि कोर्स करने के बाद भी आज जॉब केवल टॉपर्स को मिल रही है। क्योंकि यह कोर्स करके निकलने वाले ज्याद ज्यादा लोग हैं और नौकरियां कम हैं। परंतु कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें नौकरियां ज्यादा हैं और काम करने वाले ट्रेंड लोग कम हैं। क्योंकि इन कोर्सेज को कराने वाले कॉलेज कम हैं। जैसे होटल मैनेजमेंट, एयरलाइन, टूरिज्म, फैशन, नैनो टेक्नोलॉजी, एनिमेशन ,फायर एंड सेफ्टी ,मर्चेंट नेवी जैसे कुछ ऐसे क्षेत्र हैं। में जिनमें जॉब खाली पड़ी हैं। क्योंकि इसमें पास होने वाले कम और नौकरियां ज्यादा हैं। इनमें से होटल मैनेजमेंट ,टूरिज्म मैनेजमेंट एवं एयरलाइन सेक्टर के कोर्सेज नारायण कॉलेज में भी हैं।इसके साथ ही इंटरनेशनल डिप्लोमा इन होटल मैनेजमेंट, इंटरनेशनल डिप्लोमा कलनरी आर्ट के बारे में बताया कि यह डिप्लोमा यू के इंग्लैंड से एफिलिएटेड है।इसको करने के बाद स्टूडेंट इंटर्नशिप पर सीधे विदेश चला जाता है।बरेली नारायण कॉलेज द्वारा उपस्थित सभी प्रधानाचार्यों शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कोऑर्डिनेटर निशीचौधरी संयोजिका शिवांगी गौड़, सुमन गंगवार वैशाली कश्यप ,नैंसी का विशेष योगदान रहा।कार्यक्रम का संचालन काशिफ नूरी द्वारा किया गया।

उत्तर प्रदेश द्विवार्षिक चुनाव हुआ सम्पन्न

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन, पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश प्रान्तीय द्विवार्षिक चुनाव पंचायती राज निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लोहिया भवन, अलीगंज में स्थित एसोसिएशन कक्ष संख्या–26 में चुनाव अधिकारी, लाल चन्द्र, प्रशासनिक अधिकारी, पंचायती राज निदेशालय, उ०प्र० की देख–रेख में सम्पन्न हुआ। जिसमें मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन, पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में प्रदेश अध्यक्ष पद पर यू०पी० सिंह चौथी बार निर्वाचित हुये, प्रदेश महामंत्री पद पर अमर जीत प्रसाद मिश्र दूसरी बार निर्वाचित हुये एवं प्रदेश वरिष्ठ उपध्यक्ष पद पर प्रवीन कुमार मिश्रा दूसरी बार निर्वाचित हुये, प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर राम चन्द्र प्रसाद दूसरी बार निर्वाचित हुये, प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर सुभाष चन्द्र यादव, प्रदेश मंत्री पर कमल सिंह, प्रदेश संगठन मंत्री पद पर राजेश कुमार, प्रदेश सम्प्रेक्षक पद पर संजय कुमार, प्रदेश कोषाध्यक्ष पद पर श्रीकान्त, प्रदेश मीडिया प्रभारी पद पर निर्भय सिंह निर्वाचित हुए।

चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा पर बालू होने के चलते दुर्घटना मे वृद्धि – हिन्दू महासभा

अयोध्या। जिला प्रशासन ने 14 कोसी और 5 कोसी परिक्रमा से पूर्व परिक्रमा मार्ग पर बालू डाली थी।परिक्रमा संपन्न होने के बाद डाली गई बालू को प्रशासन ने हटाने में रुचि नहीं ली।जिस कारण मार्ग पर दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है और आम जनता का जीवन जोखिम में है।यह आरोप अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय मंत्री अधिवक्ता राकेश दत्त मिश्र ने आज जारी बयान में लगाया।अधिवक्ता मिश्र ने अपने आरोप में कहा कि मार्ग पर बालू होने से वाहनों के टायर फिसल रहे है और दुर्घटनाएं हो रही हैं । इन दुर्घटनाओं में वाहन चालक घायल हो रहे हैं और आम जनता का जीवन खतरे में पड़ गया है। अधिवक्ता मिश्र ने अपने आरोप में कहा कि मार्ग पर पड़ी बालू हवा के साथ उड़कर नागरिकों के घरों में जा रही है, जो नागरिकों की एक बड़ी समस्या बन चुकी है। हवा में उड़कर घरों में जाने वाली बालू से नागरिकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।अधिवक्ता मिश्र ने मार्ग पर पड़ी बालू को नागरिकों के जीवन से खिलवाड़ बताते हुए इसे एक गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि हिन्दू महासभा इसे किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेगी। उन्होंने अयोध्या प्रशासन से मार्ग पर बड़ी बालू को हटाने के लिए तत्काल सफाई अभियान आरंभ करने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने अविलंब सफाई अभियान आरंभ नहीं किया तो हिन्दू महासभा अपनी मांग के समर्थन में आंदोलन आरंभ करेगी।

छात्राओं को उनके अधिकार बताकर किया जागरूक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना जानकीपुरम क्षेत्र के पं अटल बिहारी वाजपेई अभिनव मॉडल स्कूल अंतर्गत में मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के अंतर्गत आज दिनाँक 30/11/2024 बुधवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, अधिकारों और उन्हें उपलब्ध सेवाओं व साइबर फ्राड व साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर म0उ0नि0 रोशनी दूबे म0आ0 रिद्धी व अन्य कर्मचारीगण द्वारा विद्यालय में कार्यक्रम जागरुक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना, सुरक्षा के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और यूपी

पुलिस द्वारा चलाई जा रही सेवाओं की जानकारी देना था। इस दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं, जैसे कि 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा और महिला पावर लाइन जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।कार्यक्रम में बताया गया कि यूपी पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न सेवाओं को क्रियाशील किया गया है, जिनमें महिला हेल्पलाइन, स्मार्ट सिटी कैमरे, और फील्ड पुलिस पेट्रोलिंग जैसे उपाय शामिल हैं। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्हें आत्मरक्षा और सरकारी योजनाओं के लाभ उठाने के तरीकों पर शिक्षित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और समानता को बढ़ावा देना है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की स्नातक व स्नातकोत्तर की परीक्षाएं तीन दिसंबर से एक जनवरी तक - परीक्षा नियंत्रक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने ठंड व शैक्षिक सत्र की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए स्नातक व स्नातकोत्तर विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के आयोजन की रूपरेखा तैयार कर ली है। गुरुवार को हुई बैठक में परीक्षा नियंत्रक डा. विनोद कुमार सिंह ने वित्त पोषित व स्ववित्त पोषित कालेजों के प्राचार्यों और संचालकों को इस संबंध में जानकारी दी। परीक्षा संबंध में हुई बैठक के बारे में देश की उपासना ब्यूरो से दूरभाष पर बात करते हुए डा विनोद कुमार सिंह ने बताया कि बैठक में यह निर्णय लिया गया कि परीक्षाएं तीन पालियों में आयोजित की जाएंगी। परीक्षा का आयोजन तीन दिसंबर से एक जनवरी तक किया जाएगा। परीक्षा कराने को लेकर विश्वविद्यालय पूरी तरह से कमर कस कस तैयारी पूरी कर ली है। प्रत्येक पाली की अवधि दो घंटे होगी बताया कि गाजीपुर व जौनपुर के 573 महाविद्यालयों में संबद्ध स्नातक (बीए, बीएससी, बीकाम) के प्रथम, तृतीय और पंचम सेमेस्टर तथा स्नातकोत्तर (एमए, एमएससी, एमकाम) के प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं पूर्व निर्धारित केंद्रों पर आयोजित की जाएंगी। बताया कि परीक्षाओं के आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित व पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया है। इस बार परीक्षा की समय सारिणी तैयार करते समय प विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को भी त ध्यान में रखा गया है। ताकि छात्रों को नि किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके चलते व परीक्षाओं का आयोजन एक जनवरी – तक विस्तारित किया गया है। स्पष्ट – किया कि प्रारंभिक योजना के तहत – दिसंबर में ही परीक्षाओं को संपन्न कराने का प्रस्ताव था, लेकिन प्रतियोगी परीक्षाओं के चलते इसे एक सप्ताह के लिए बढ़ाया गया। यह निर्णय छात्रों की सुविधा व परीक्षाओं की सुचिता को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है।

कचहरी में अधिवक्ता पर थी हमले की योजना, गिरफ्तार

गोरखपुर, संवाददाता। सिविल कोर्ट में पांडेयहाता निवासी अधिवक्ता रविन्द्र दुबे पर हमला करने आए युवकों को अधिवक्ताओं ने दौड़ा कर पकड़ा। दो को पकड़कर पिटाई करके कैंट थाने में पुलिस को सौंपा। अन्य युवक फरार हो गए। अधिवक्ता रविन्द्र दुबे ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे चेंबर के पास संदिग्ध युवक आए थे। अधिवक्ता ने बताया कि एक पक्ष का वो केस देख रहे हैं, उसके कैंपियरगंज के विपक्षी बुधवार को मेरे ऊपर हमला करने आए थे। दो को पकड़कर थाने पर दे दिया है। अधिवक्ताओं ने बताया कि तीनों में एक काफी देर से कचहरी के अंदर ही कंबल ओढ़ कर बैठा हुआ था। जबकि अधिवक्ता के चेंबर के बार दो लोग काफी देर से घूम रहे थे। ये पहले भी कचहरी में देखे गए थे। संदेह पर अधिवक्ता ललकारते हुए इन्हें रोकने के लिए आगे बढ़े तो उनके साथ और भी अधिवक्ता एक साथ दौड़कर आगे आ गए। ये देख एक मौके से फरार हो गया, जबकि दो मौके पर ही पकड़ा गए। चर्चा है कि फरार शख्स के पास पिस्टल भी थी।

नगर निगम की दुकानों का किराया बढ़ाने पर विधायक ने नगरायुक्त को लिखा पत्र

गोरखपुर, संवाददाता। महानगर में बनी हुई नगर निगम की दुकानों की बेतहासा किराया वृद्धि से दुकानदार परेशान हैं। उनका कहना है कि इस बढ़ोत्तरी को वापस लिया जाए अन्यथा इससे दुकानदारों को बहुत नुकसान होगा। दुकानदार जनप्रतिनिधियों के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। इस मुद्दे को पहले एमएलसी देवेंद प्रताप सिंह ने उठाया। अब चौरी चौरा के विधायक श्रवण निषाद ने नगर आयुक्त को पत्र लिख कर बढ़े किराए में संशोधन करने की बात कही है। नगरायुक्त को लिखे पत्र में विधायक श्रवण निषाद ने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री वीरबहादुर सिंह के कार्यकाल में शहरी गरीब और छोटे व्यापारियों के जीविकोपार्जन के लिए तीन हजार दुकानें शहर के विभिन्न मुहल्लों में बनाई गईं। निगम बोर्ड हर तीन वर्ष पर पांच प्रतिशत किराए में वृद्धि करता है। निगम बोर्ड ने पांच गुना किराया वृद्धि करके दुकानदारों के पास नोटिस भेजा है। इससे दुकानदार परेशान हैं। इसे वापस लिया जाना आवश्यक है। दुकानों का जो किराया वृद्धि किया गया है उसे संशोधित कर उन्हें अवगत कराएं।

प्रतिभावान पहलवानों के पदक जीतने से खेल प्रेमियों में उत्साह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

हरिद्वार। 68वीं राष्ट्रीय स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता जो की गोरखपुर में संपन्न हुई उसमें उत्तराखंड राज्य के हरिद्वार जिले के पहलवानों ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर खेल प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड राज्य से 10 बालक तथा 7 बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें 62किलोग्राम में शुभ हूण स्वर्ण पदक प्राप्त किया, 52 किलोग्राम में नीरज ने रजत पदक प्राप्त किया, 58 किलोग्राम बालिका वर्ग में निशा भारद्वाज ने रजत पदक प्राप्त किया, 50 किलोग्राम बालिका वर्ग में अंशिका लोहान ने रजत पदक प्राप्त किया, 54 किलोग्राम में आर्य चावला ने कांस्य पदक, ऋषभ कश्यप ने 41 किलोग्राम मे पदक प्राप्त किया।

खिलाड़ियों के इस उपलब्धि पर पर डॉक्टर मुकुल सती निदेशक माध्यमिक, रमेश सिंह तोमर अपर निदेशक खेल, कमलेश कुमार गुप्ता मुख्य शिक्षा अधिकारी हरिद्वार, आशुतोष भंडारी जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक हरिद्वार, शाबली गुरूंग जिला खेल अधिकारी हरिद्वार ने जिला खेल समन्वयक गजेंद्र सिंह, मैनेजर प्रीति सैनी तथा कोच आकाश को उनके प्रयासों के लिए विशेष तौर पर बधाई दी तथा विजेता खिलाड़ियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

छात्राओं को उनके अधिकार बताकर किया जागरूक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महिला थाना द्वितीय क्षेत्र के नागेश्वरी मेमोरियल इंटर कॉलेज अंतर्गत में मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के अंतर्गत आज दिनाँक 20/11/2024 बुधवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, अधिकारों और उन्हें उपलब्ध सेवाओं व साइबर फ्राड व साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर म0उ0नि0 कुसुमलता व म0उ0नि0 अनु देवी अन्य कर्मचारीगण द्वारा विद्यालय में कार्यक्रम जागरुक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना, सुरक्षा के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सेवाओं की जानकारी देना था। इस दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं, जैसे कि 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा और महिला पावर लाइन जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

कार्यक्रम में बताया गया कि यूपी पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न सेवाओं को क्रियाशील किया गया है, जिनमें महिला हेल्पलाइन, स्मार्ट सिटी कैमरे, और फील्ड पुलिस पेट्रोलिंग जैसे उपाय शामिल हैं। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्हें आत्मरक्षा और सरकारी योजनाओं के लाभ उठाने के तरीकों पर शिक्षित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और समानता को बढ़ावा देना है।

रेलवे स्टेशनों पर बनेंगे होल्डिंग एरिया

वाराणसी, संवाददाता। प्रयागराज –वाराणसी रेलखंड निरीक्षण के बाद कैंट स्टेशन पहुंचे महाप्रबंधक ने महाकुंभ को लेकर रेल अधिकारियों के साथ निदेशक कक्ष में बैठक की। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया बनाया जा रहा है। जब ट्रेन प्लेटफॉर्म पर लगेगी, तभी उन्हें प्लेटफॉर्म पर जाने के लिए छोड़ा जाएगा। आरपीएफ, मैकेनिकल और कॉमर्शियल के 2000 से अधिक कर्मियों को लगाया जाएगा, जो कि घेरा बनाते हुए यात्रियों को कोच में सवार कराएंगे। इसके बाद कोच का गेट बंद करा दिया जाएगा। इससे भगदड़ जैसी स्थिति नहीं होगी। गट्ठर साथ लेकर चलने वाली माताओं, बहनों और बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर पहले कोच में सवार कराया जाएगा। दिल्ली में छठ पूजा मॉडल को महाकुंभ के लिए लागू किया जाएगा। लखनऊ मंडल के अधिकारी, दिल्ली जाकर इस व्यवस्था से रूबरू होंगे।

कैंट स्टेशन पर पांच हजार यात्रियों की क्षमता का होल्ड एरिया

उन्होंने बताया कि 40 से 50 हजार यात्रियों के ठहरने के लिए प्रयागराज और फाफामऊ स्टेशन पर होल्डिंग एरिया बनाए जा हे हैं। इसमें 30 से 35 एटीवीएम मशीनें, डिस्प्ले कोच, सीसी कैमरे, सुरक्षा आदि सभी व्यवस्थाएं होंगी। वहीं, कैंट स्टेशन के प्रथम और द्वितीय तल पर चार से पांच हजार यात्रियों की क्षमता का दो होल्ड एरिया बनाया जाएगा। पहले श्रद्धालु होल्ड एरिया में रोके जाएंगे। आरपीएफ, जीआरपी और मैकेनिकल की टीमें तैनात रहेंगी। महाकुंभ के लिए 36 ट्रेनें चलाई जाएंगी। महाप्रबंधक ने बताया कि दिसंबर 31 तक वाराणसी– प्रयागराज दोहरीकरण, विद्युतीकरण कार्य पूरा हो जाएगा तो ट्रेनें अपनी पूरी क्षमता के साथ इस रूट पर चलेंगी।

उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ जनपद शाखा जौनपुर की एक आवश्यक बैठक विकास भवन में सम्पन्न

जौनपुर ब्यूरो चीफ

जौनपुर। आज दिनांक 21.11.2024 को उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ जनपद शाखा जौनपुर की एक आवश्यक बैठक जिला अध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन में संपन्न हुई। बैठक का संचालन जिला मंत्री संजय कुमार चौधरी ने किया। बैठक का एजेंडा यह था कि राज्य कर्मचारी महासंघ, उत्तर प्रदेश फेडरेशन आफ मिनिस्टीरियल एसोसिएशन और उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के जनपद कार्यकारी का गठन जनपद में हो चुका है, काय कारिणी का विस्तार करके शपथ ग्रहण दिनांक 24 दिसंबर 2024 को कराए जाने हेतु सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष सुजीत कुमार सिंह ने कहा कि राज्य कर्मचारी महासंघ एक नई ऊर्जा के साथ जनपद के कर्मचारियों के हक हकूक के लिए संघर्ष करेगा। इस अवसर पर राजीव कुमार श्रीवास्तव उर्फ रोशन, अच्छेलाल पाल, अखिलेश उपाध्याय, प्रमोद कुमार पाठक, शिवकुमार यादव, ओंकार सिंह, लक्ष्मी नारायण चौरसिया,हीरालाल भारती, सर्वेश कुमार मौर्य, रामाश्रय मिश्रा, कुलदीप कुमार आदि पदाधिकारी महासंघ के घटक संगठनों के उपस्थित रहे।

शहर के विभिन्न विभिन्न चौराहा पर ट्रैफिक लाइट वास सीसीटीवी कैमरे बने शोपीस

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। शहर के विभिन्न चौराहों पर यातायात को नियंत्रित करने व लोगो को जाम से राहत दिलाने के साथ साथ वहां की गतिविधियों को कैद करने के लिए लगे ट्रैफिक लाइटो के साथ साथ सीसीटीवी कैमरे भी खराब पड़े हुए हैं।जिसके चलते हर समय शहर के नाका, शांति चौक, फतेहगंज, रायबरेली चौराहा,देवकाली बाईपास, सिविल लाइन चौराहा,पुलिस लाइन चौराहा, टेढ़ी बाजार चौराहा सहित विभिन्न चौराहों पर जाम लगना स्वाभाविक है।बताते चले की शहर में यातायात को नियंत्रित करने के लिए बेनीगंज स्थित जलकल विभाग मे आईटीएमएस नियंत्रण कक्ष 27 दिसंबर 2022 को खोला गया था।जो अभी भी क्रियाशील है।इसी कक्षा से वहां पर बैठे कर्मियों द्वारा शहर के विभिन्न चौराहे की सारी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। मालूम हो कि यातायात को नियंत्रित करने व शहर को जाम से मुक्ति रखने के लिए यातायात विभाग द्वारा चिन्हित 20 चौराहों पर ट्रैफिक लाइट के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे।जिसकी निगरानी इसी एक नियंत्रण कक्ष मैं बैठे कर्मियों द्वारा किया जाता है।इस कार्यालय के कर्मियों के मुताबिक शहर के विभिन्न चौराहों पर लगे 20 ट्रैफिक लाइटों में से कुल 16 चौराहों पर ट्रैफिक लाइट कार्य कर रहे हैं।जबकि 6 चौराहों पर ट्रैफिक लाइट इसलिए काम नहीं कर रहे हैं कि वहाँ पर रोड चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है।फिलहाल चाहे जो भी हो प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह सिस्टम बहुत ही तेजी से चल रहा था।जिसकी प्रशंसा शहर के लोग भी कर रहे थे। क्योंकि जिन चौराहों पर जिन वाहनो के चलते वहां पर जाम के स्थिति उत्पन्न हो रही है वहां से उस वाहन को तुरंत हटाया जाये। जिससे तुरंत कुछ ही देर बाद ही उस चौराहे पर जाम समाप्त हो जाती थी। परंतु अब ऐसा कुछ नहीं दिखाई दे रहा है।जिसके चलते शहर के विभिन्न चौराहों पर जाम लगना स्वाभाविक है।इस संबंध में इस सिस्टम की देखरेख कर रही प्रभारी सहायक अभियंता आस्था जायसवाल ने बताया कि शहर में 20 चौराहों पर लगे ट्रैफिक लाइटों में से 14 चौराहों पर लगी ट्रैफिक लाइट काम कर रही है।उन्होंने बताया कि यातायात विभाग के निर्देशानुसार शहर में स्थित विभिन्न चौराहों पर लगे ट्रैफिक लाइटों को चालू तथा बंद किया जाता है।इसके साथ ही साथ उन्होंने बताया कि अयोध्या जैसे धार्मिक नगरी मे आयोजित विभिन्न पर्वो,मेले व श्रद्धालुओ के भारी संख्या मे भीड़ को नियंत्रित करने के लिए इस कक्ष से नियंत्रित कर सभी चौराहों पर पहनी नजर रखी जाती है।वहीं यातायात विभाग के निर्देशों पर यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर इसी कक्ष से ही कार्यवाही भी की जाती है।

शहर के विभिन्न विभिन्न चौराहा पर ट्रैफिक लाइट वास सीसीटीवी कैमरे बने शोपीस

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। शहर के विभिन्न चौराहों पर यातायात को नियंत्रित करने व लोगो को जाम से राहत दिलाने के साथ साथ वहां की गतिविधियों को कैद करने के लिए लगे ट्रैफिक लाइटो के साथ साथ सीसीटीवी कैमरे भी खराब पड़े हुए हैं।जिसके चलते हर समय शहर के नाका, शांति चौक, फतेहगंज, रायबरेली चौराहा,देवकाली बाईपास, सिविल लाइन चौराहा,पुलिस लाइन चौराहा, टेढ़ी बाजार चौराहा सहित विभिन्न चौराहों पर जाम लगना स्वाभाविक है।बताते चले की शहर में यातायात को नियंत्रित करने के लिए बेनीगंज स्थित जलकल विभाग मे आईटीएमएस नियंत्रण कक्ष 27 दिसंबर 2022 को खोला गया था।जो अभी भी क्रियाशील है।इसी कक्षा से वहां पर बैठे कर्मियों द्वारा शहर के विभिन्न चौराहे की सारी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। मालूम हो कि यातायात को नियंत्रित करने व शहर को जाम से मुक्ति रखने के लिए यातायात विभाग द्वारा चिन्हित 20 चौराहों पर ट्रैफिक लाइट के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे।जिसकी निगरानी इसी एक नियंत्रण कक्ष मैं बैठे कर्मियों द्वारा किया जाता है। इस कार्यालय के कर्मियों के मुताबिक शहर के विभिन्न चौराहों पर लगे 20 ट्रैफिक लाइटों में से कुल 16 चौराहों पर ट्रैफिक लाइट कार्य कर रहे हैं।जबकि 6 चौराहों पर ट्रैफिक लाइट इसलिए काम नहीं कर रहे हैं कि वहाँ पर रोड चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है।फिलहाल चाहे जो भी हो प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह सिस्टम बहुत ही तेजी से चल रहा था।जिसकी प्रशंसा शहर के लोग भी कर रहे थे। क्योंकि जिन चौराहों पर जिन वाहनो के चलते वहां पर जाम के स्थिति उत्पन्न हो रही है वहां से उस वाहन को तुरंत हटाया जाये।जिससे तुरंत कुछ ही देर बाद ही उस चौराहे पर जाम समाप्त हो जाती थी।परंतु अब ऐसा कुछ नहीं दिखाई दे रहा है।जिसके चलते शहर के विभिन्न चौराहों पर जाम लगना स्वाभाविक है।

इस संबंध में इस सिस्टम की देखरेख कर रही प्रभारी सहायक अभियंता आस्था जायसवाल ने बताया कि शहर में 20 चौराहों पर लगे ट्रैफिक लाइटों में से 14 चौराहों पर लगी ट्रैफिक लाइट काम कर रही है। उन्होंने बताया कि यातायात विभाग के निर्देशानुसार शहर में स्थित विभिन्न चौराहों पर लगे ट्रैफिक लाइटों को चालू तथा बंद किया जाता है।इसके साथ ही साथ उन्होंने बताया कि अयोध्या जैसे धार्मिक नगरी मे आयोजित विभिन्न पर्वो,मेले व श्रद्धालुओ के भारी संख्या मे भीड़ को नियंत्रित करने के लिए इस कक्ष से नियंत्रित कर सभी चौराहों पर पहनी नजर रखी जाती है।वहीं यातायात विभाग के निर्देशों पर यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर इसी कक्ष से ही कार्यवाही भी की जाती है।

एम्स में नौकरी दिलाने के नाम पर जालसाजी, केस दर्ज

गोरखपुर, संवाददाता। डायग्नोस्टिक सेंटर पर काम करने वाले कर्मचारियों ने सात लोगों को एम्स में नौकरी दिलाने के नाम पर 3.89 लाख रुपये ले लिए। नौकरी नहीं मिलने पर पीड़ितों ने अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। एसएसपी के निर्देश पर गुलरिहा पुलिस दो आरोपियों बांसगांव के अतरौली निवासी हिमांशु राम त्रिपाठी और विकास साहनी के खिलाफ धोखाधड़ी व धमकी देने का केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

मेडिकल कॉलेज के पास स्थित एक डायग्नोस्टिक सेंटर की कर्मचारी सोनी गौड़ का आरोप है कि साथ में काम करने वाले हिमांशु राम त्रिपाठी ने वर्ष 2022 में एम्स में नौकरी दिलाने के नाम पर एक जनवरी 2023 को 50 हजार रुपये ले लिए थे। आरोपी ने अपने साथी विकास साहनी की सहायता से पीड़िता के संबंधितों अनिल कुमार, दुर्गेश पाल, अमित गौड़, प्रहलाद, सुभाष गौड़ की बेटी व अन्य से 3.39 लाख रुपये भी हड़प लिए।

सीआरपीएफ के जवान की मौत

प्रयागराज, संवाददाता। धूमनगंज कोतवाली क्षेत्र के चौफटका के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से सीआरपीएफ के जवान की मौत हो गई। वह जीटीबी नगर करेली में परिवार के साथ रहते थे। पुलिस वाहन की तलाश में जुट गई है। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के असरावल किला गांव के रहने वाले खुशनुद हसन (35) सीआरपीएफ कैंप फाफामऊ में बतौर सिगनल आपरेटर के पद पर तैनात थे। वह बुधवार को सुबह ड्यूटी के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान चौफटका के पास उनकी बाइक में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इससे वह डिवाइडर से जाकर टकरा गए। राहगीर जब तक समझ पाते उनकी मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

मैजिक की टक्कर से बालिका की मौत

कुशीनगर, संवाददाता। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के सेखुई चौराहे पर मंगलवार की सुबह सामान खरीदकर घर लौट रही 12 वर्षीय बालिका की मैजिक की चपेट में आने से मौत हो गई। यह देख मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना के बाद मैजिक लेकर चालक भाग निकला। लोगों की सूचना पर आई पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, इस मामले में बालिका के पिता ने नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

शादी के बाद लारवों रुपये हवा में उड़ाए

सिद्धार्थनगर, संवाददाता। सिद्धार्थनगर की एक शादी की चर्चा पूरे यूपी में हो रही है। वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। शादी में बारात के दौरान छत और जेसीबी पर चढ़कर नोटों की गड्डी उड़ाने का ये वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। बताया जाता है कि लड़के वाले मुंबई में उद्यमी हैं और अपने बेटों की शादी गृह जनपद से दी। वायरल वीडियो में लड़के के घर वाले सौ, दो सौ रुपए से लेकर 5 सौ के नोटों को कागज की तरह हवा में उड़ाते नजर आ रहे हैं।

लोग हवा में उड़ते नोटों को लूटते दिखाई दे रहे हैं। ये वायरल वीडियो सिद्धार्थनगर देवलहवा गांव के निवासी अफजाल और अरमान के शादी का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार अफजल पुत्र अखबार और अरमान पुत्र सोकन निवासी देवल की अलग–अलग तिथि पर शादी थी। बारात निकलते समय जेसीबी पर खड़े होकर लोगों ने खूब रुपए उड़ाए। दोनों का मुंबई में कारोबार चलता है एक दूसरे से आगे बढ़ाने की होड़ में रुपए उड़ाने की बात सामने आ रही है। हालांकि स्टेज पर डांस के दौरान बाजा बजाने के दौरान यहां रुपए उड़ाने की एक चलन लंबे समय से चली आ रही है। घर की छत और जेसीबी से ऐसे नोट उड़ाने का पूर्वांचल में ये पहला मामला सामने आया है।

सगाई में दिया सोने का हार.. शादी से पहले प्रेमी संग युवती हुई फरार

गोरखपुर, संवाददाता। बेटे की सगाई में युवती को नकद और सोने का हार देना महंगा पड़ गया। शादी के पहले ही युवती सारा सामान लेकर प्रेमी के साथ चली गई। अब पीड़ित के बेटे को प्रेमी कॉल कर जान से मारने की धमकी भी दे रहा है।

पीड़ित पिता ने सहजनवां थाने में युवती व उसके परिजनों के खिलाफ तहरीर दी है। भगौरा निवासी राजेश ने अपने बेटे शुभम की शादी खजनी थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती से तय की थी। खजनी स्थित एक मैरिज हॉल में 17 जनवरी को युवती के साथ बेटे की सगाई हुई। इस दौरान चार दिसंबर शादी की तारीख तय हुई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।